इन्क़िलाबी नज़र
आवाज़ ... आम आदमी की
लखनऊ, शुक्रवार, 22 मार्च 2024
वर्ष 16 अंक 197 मूल्य 4-00 रुपया पृष्ठ- 12

किसी को माफ़ करना कमजोरी नहीं करन सामर्थ्यवान ही ऐसा कर सकता है।
-महात्मा गाँधी

तापमान - अधिकतम 28.4°C (-4.9) न्यूनतम 16.3°C(+0.1) सेंसेक्स 72,641.19 (+539.50) निफ्टी 22,011.95 (+172.85) सोना 66,570 चांदी 78,500 मुद्रा - डालर 83.20 दिरहम 22.65 रियाल 22.18

ऑप्टोमेट्री की प्रतिबद्धता पर चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम आयोजित

एरा यूनिवर्सिटी

लखनऊ (सं)। विश्व ऑप्टोमेट्री सप्ताह के अवसर पर एरा विश्वविद्यालय के ऑप्टोमेट्री विभाग ने वैश्विक नेत्र देखभाल के लिए ऑप्टोमेट्री की प्रतिबद्धता विषय पर एक चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्घाटन एरा यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रोफेसर अब्बास अली मेहदी ने किया। इस अवसर पर प्रोफेसर मेहदी ने कहा कि आंखों से जुड़ी समस्याओं के बारे में जागरुकता बहुत जरूरी है और इसीलिए विश्व ऑप्टोमेट्री दिवस मनाया जाता है।

उन्होंने कहा कि ऑप्टोमेट्री को और अधिक विकसित करने और शिक्षा एवं आउटरीच कार्यक्रमों के माध्यम से नेत्र स्वास्थ्य व दृष्टि देखभाल को बढ़ावा देने में ऑप्टोमेट्रिस्टों का प्रोत्साहन देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि 1986 से हर साल 23 मार्च को विश्व ऑप्टोमेट्री दिवस के रूप में मनाया जा रहा है, ताकि दुनिया में नेत्र देखभाल सेवाएं प्रदान करने और दृष्टि स्वास्थ्य में सुधार करने में ऑप्टोमेट्रिस्ट की महत्वपूर्ण भूमिका को जाना जा सके। उन्होंने कहा कि वर्ल्ड आप्टोमेट्री दिवस को मनाते हुए दृष्टि देखभाल एवं समग्र नेत्र स्वास्थ्य के महत्व के बारे में जागरुकता बढ़ाना जारी रखें। कार्यक्रम में डॉ. अनिता अरविंद प्रमुख ऑप्टोमेट्री विभाग जी.डी. गोयनका, विश्वविद्यालय, गुड़गांव (हरियाणा), डॉ. मो. नॉरूज़ ज़मान, विभागाध्यक्ष, ऑप्टोमेट्री विभाग, सांकरा कॉलेज ऑफ ऑप्टोमेट्री, लुधियाना (पंजाब) और डॉ. शाजीना सईद, एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा उपस्थित थे। उन्होंने सीएमई में व्याख्यान दिए। प्रोफेसर अनिता ने बाल चिकित्सा नेत्र वितरण में मोतियों के बारे में विस्तार से बताया। डॉ. जमान ने मोतियाबिंद लेंस फिटिंग की नैदानिक अंतर्दृष्टि के बारे में बताया। डॉ. शाज़ीना सईद ने डिजिटल आई स्ट्रेन डिजिटल युग में रोकथाम और कल्याण विषय पर अपने विचार पेश किए। इससे पहले एराज कॉलेज ऑफ पैरामेडिकल साइंसेज के डीन प्रो. एस. रियाज मेहदी ने विभाग द्वारा संचालित विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष नेत्र विभाग प्रोफेसर लक्ष्मी सिंह सहित अन्य विभागों के संकाय सदस्यों और छात्रों ने भाग लिया। ऑप्टोमेट्री विभागाध्यक्ष डॉ. एस.के. गुप्ता एवं डॉ. रागिनी मिश्रा ने कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम में छात्रों के लिए एक प्रश्नोत्तरी सत्र भी आयोजित किया गया। कार्यक्रम का समापन एक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ हुआ जिसमें बी.एस.सी. के एवं डिप्लोमा ऑप्टोमेट्री के छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।